प्रबंध काअर्थ एवं कार्य

Meaning & Function Of Management

Dr.Divya Shukla.
Assistant Professor
Durga Mahavidyalaya
Commerce Department

Edit with WPS Office

प्रबंध का अर्थ

प्रबंधन यह संगठनात्मक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मानवी संसाधनों का प्रभावी ढ़ंग से और कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए संगठन में लोगों की योजना, आयोजन, अग्रणी और नियंत्रित करने की एक प्रक्रिया है। प्रबंधन के अंतर्गत नियोजन संगठन, स्टाफिंग, नेतृत्व करना, निर्देशन, और नियंत्रण करना इत्यादी कार्य आते हैं।

Edit with WPS Office

प्रबंध की परिभाषा

प्रबंधन यह किसी संगठन के मानव संसाधन, वित्तीय, भौतिक और सूचना संसाधनों को अपने लक्ष्यों तक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए योजना बनाने, निर्णय लेने, व्यवस्थित करने, अग्रणी, प्रेरित करने और नियंत्रित करने की एक प्रक्रिया है।

हेनरी फेयोल के नुसार, प्रबंध का आशय पूर्वानुमान लगाना एवं योजना बनाना,आदेश देना, समन्वय करना और नियंत्रण करना है।

Edit with WPS Office

प्रबंध के कार्य

प्रबंध के कार्य- functions of management

प्रबंध का प्राथमिक कार्य लोगों को संगठन के लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए एक साथ काम करना है। प्रबंधन के अंतर्गत स्टाफिंग, नेतृत्व करना, नियोजन, संगठन, नियंत्रण करना इत्यादी कार्य आते हैं। तो आगे हम प्रबंधन के इन कार्यो के बारे में सविस्तर में जानते है।

नियोजन Planning – नियोजन यह मैनेजमेंट का बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। किसी भी कार्य की शुरुवात करने से पहले उनका नियोजन-प्लानिंग करना बहुत आवश्यक होता है। इसमे पहले से ही यह निर्धारित किया जाता है कि क्या कार्य करना है, किस प्रकार करना है, किसे करना है और कब तक पूरा करना है। इसी नियोजन द्वारा संगठन या किसी भी कार्य की गतिविधियों को पूरा किया जाता है।

Edit with WPS Office

संगठन Organization

एक बार संगठन के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए योजना बनाई जाती है, तो फिर संगठन योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक क्रियाओं और संसाधनों की जांच करता है। और आवश्यक कार्यों का, संसाधनों का निर्धारण करता है। इसके बाद ये निर्णय लेता है कि, किस काम को कौन करेगा, कहाँ और कब किया जाएगा।

Edit with WPS Office

स्टाफिंगStaffing

प्रौद्योगिकी की उन्नति, व्यवसाय के आकार में वृद्धि, मानव व्यवहार की जटिलता इत्यादी के कारण स्टाफिंग को अधिक महत्व दिया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य सही व्यक्ति को सही काम पर लगाना है इसका मतलब सही काम के लिए सही या उचित व्यक्ति की नियुक्ति करना, ताकि वह उस कार्यों को अच्छे और बेहतर तरीके से पूरा कर सकें, यह प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण कार्य है।

Edited with WPS Office

निर्देशन Direction

निर्देशन का कार्य कर्मचारियों को नेतृत्व प्रदान करना, प्रभावित करना या अभिप्रेरित करना है, जिससे कि वह दिए गये कार्य को पूरा कर सकें। यह प्रबंधकीय कार्य का वह हिस्सा है जो संगठनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए संगठनात्मक तरीकों को सक्रिय करता है।
दूसरे व्यक्तियों से काम कराने की एक कला है। मैनेजर को अपने कर्मचारियों को सही दिशा में कार्य करने के लिए निर्देशन करना बहुत आवश्यक होता है। उन्हें यह बताना पड़ता है की क्या कार्य करना है, कैसे और किस तरीके से करना है और यह भी देखना पड़ता है की वह उसी तरीके से काम रहा है या नहीं।

Edit with WPS Office

नियंत्रण Control

प्रबंधन के कार्य में नियंत्रण करना यह भी एक महत्त्वपूर्ण कार्य होता है। पहले की गयी planning के अनुसार सब काम उसी तरीके से और उसी प्लानिंग से हो रहा है नहीं, या उसमे कुछ सुधार हो सकता है या नहीं, यह देखना यानि इसपर नियंत्रण रखना भी बहुत आवश्यक होता है।
प्रबंध के इस कार्य को उस रूप में परिभाषित किया गया है।जिसमें वह संगठन/संस्था के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संगठन कार्य के निष्पादन को निर्देशित करता है। नियंत्रण कार्य में निष्पादन के स्तर निश्चित किए जाते हैं। और वर्तमान निष्पादन को मापा जाता है।

Edit with WPS Office

इस तरह नियोजन, संगठन, कर्मचारी की नियुक्ति करना, निर्देशन देना, और कार्यों पर नियंत्रण करना यह प्रबंधन के कार्य है।

Edit with WPS Office

THANK YOU

Edit with WPS Office